



बीवी के सारे छेदों की चुदाई का मजा- 1

“सुहागरात Xxx कहानी में पढ़ें कि मेरी शादी के बाद मैंने दुल्हन के साथ रात कैसे बिताई. हम दोनों ही कुंवारे थे तो दोनों को तकलीफ हुई. और उसके बाद मेरे क्या अनुभव रहे ? ...”

Story By: एन्जॉय फॉर फन (enjoyforfun)

Posted: Tuesday, October 11th, 2022

Categories: [इंडियन बीवी की चुदाई](#)

Online version: [बीवी के सारे छेदों की चुदाई का मजा- 1](#)

बीवी के सारे छेदों की चुदाई का मजा- 1

सुहागरात Xxx कहानी में पढ़ें कि मेरी शादी के बाद मैंने दुल्हन के साथ रात कैसे बिताई. हम दोनों ही कुंवारे थे तो दोनों को तकलीफ हुई. और उसके बाद मेरे क्या अनुभव रहे ?

मेरा नाम जय है और मैं 30 साल का हूँ।

25 की उम्र में मेरी शादी 19 साल की लड़की के साथ हो गई थी।

मेरी पत्नी का नाम सरिता है, यह हमारी सुहागरात Xxx कहानी है।

सरिता शादी के समय काफी कमसिन थी। सुंदर काया, दुबला पतला शरीर और कोमल अंग।

अभी वह कली ही थी और उसे फूल बनना बाकी था।

शादी के बाद वह गांव में मेरे घर आई।

हमारे हनीमून के लिए एक कमरे की व्यवस्था की गई थी।

उस कमरे को दूसरे कमरे के साथ इस तरह से विभाजित था कि हर कोई हमारे कमरे की आवाज़ सुन सकता था।

मेरी भाभी को एक और कमरा दिया गया था जो हमारे कमरे के साथ जुड़ा हुआ था।

सीमित कमरे उपलब्ध होने के कारण कई महिलाएं वहां सोती थीं।

जब मेरी नवविवाहित पत्नी हनीमून रूम में दाखिल हुई तो मुझे मेरी भाभी ने सूचित किया।

मैं लंबे समय से इंतजार कर रहा था। मैं उस कमरे में गया और तुरंत दरवाजा बंद कर दिया। मेरी पत्नी बिस्तर पर चेहरा ढक कर बैठी थी।

शर्माए बगैर मैंने उसे अपनी गोद में ले लिया और उसे चूमने लगा। वह शर्मा रही थी।

हमने कुछ देर बात की और फिर मैंने उसके स्तनों को छेड़ना शुरू किया। उसके स्तन काफी कसे हुए लेकिन बड़े थे।

मैंने उसके ब्लाउज के हुक खोलने की कोशिश की लेकिन उसके ब्लाउज को निकालने में काफी समय लग रहा था।

जब मैंने खोलने की कोशिश की तो उसका ब्लाउज फट गया।

चूचियां नंगी हुईं और मैं उनको दबाने लगा।

कुछ देर तक दबाने के बाद मैं एक एक करके उनको चूसने लगा।

फिर मैंने उसकी साड़ी और नीचे के कपड़े उतार दिए।

वो अभी भी झिझक रही थी लेकिन उसने किसी चीज से इन्कार भी नहीं किया था।

उस समय मैं पूरी तरह से उत्तेजित था; मेरा लंड काले कोबरा की तरह फुंफकार रहा था।

उसने मेरे उभरे हुए लंड को छुआ और कहने लगी- यह बहुत बड़ा है और इसे बर्दाश्त नहीं कर पाऊंगी।

मैंने कहा- इसके बड़े साइज की चिंता मत करो, मैं ऐसे डालूंगा कि दर्द नहीं होगा।

हम दोनों अब पूरी तरह से नंगे हो गए।

उसके पैर काफी सुंदर थे।

मैंने उसके पैरों को चूमा और फिर नीचे से ऊपर आते हुए उसके पेट और फिर होंठों को चूमा।

आखिर में मैंने उसकी चूत को छुआ, जिस पर काफी कम बाल थे।

मैंने उसकी चूत में अपनी उंगली डालने की कोशिश की और वह बीच में ही रुक गयी।

सरिता ने मेरे लंड को पकड़ा हुआ था।

मैंने फिर उसकी चूत में कुछ चिकनाई लगाई। मैंने उसके पैर उठाए और अपने कंधे पर रख लिए।

फिर मैंने अपना लंड उसकी चूत के छेद पर रख दिया और थोड़ा अंदर घुसाने की कोशिश की।

वो जोर से चीखी और उसने मेरे लंड को हाथ से वहीं पर पकड़ कर रोक लिया।

उसने इससे आगे घुसवाने से मना कर दिया और मैं वहीं पर रुक गया।

वो छोड़ने के लिए कहने लगी और बोली- सील टूट जाएगी और बिस्तर पर खून फैल जाएगा।

मैंने कहा- अगर सुहागरात में बिस्तर पर खून नहीं निकला तो घर वाले तुम्हारे कौमार्य पर संदेह करेंगे।

फिर वो मेरे मोटे लंड के साइज की शिकायत करने लगी।

मैंने उसको मुंह में कपड़ा डाल कुछ देर दर्द को सहन करने के लिए कहा।

फिर उसने मुंह में कपड़ा लिया और मैंने लंड को आगे बढ़ाना शुरू किया।

धक्के के साथ मैंने लंड को आधे के लगभग अंदर घुसा दिया।

सरिता दर्द महसूस कर रही थी और मुझे रोकने की कोशिश कर रही थी।

मैंने कुछ समय के लिए उसके स्तन चूसने और उसके होंठ चूमने शुरू कर दिया।
तब मैंने उससे पूछा कि वह कैसा महसूस कर रही है।
तो सरिता ने बात नहीं की और मेरी कमर पकड़ ली।

अब उसने मुझे और अधिक अंदर धकेलने के लिए प्रोत्साहित किया।
लेकिन मैंने कुछ देर के लिए अपना लंड उसकी चूत से निकाल लिया।

फिर मैंने सरिता से पूछा कि क्या वह अब तैयार है?
वह हंस दी।

फिर मैंने उसके नितंबों के नीचे एक तकिया रखा और उसके पैर मेरे कंधे पर रख दिए।
मैंने अपने लंड का सुपारा उसकी चूत पर रखा और हल्का सा धक्का दिया।
इस बार मैंने उससे कोई बात नहीं पूछी।

लंड को आधा धकेलने के बाद मैंने उसे दर्द सहन करने को कहा और जैसे ही मैंने एक
जोरदार धक्का दिया, सरिता की चीख निकल गई।
लेकिन मैंने अपना जोरदार धक्का जारी रखा।
यह भारी धक्का बर्दाश्त करने के बाद उसने रोना बंद कर दिया और मेरी कमर पकड़ ली।

मैंने धक्के लगाना जारी रखा और उससे पूछा कि क्या वो मेरे बड़े लंड का मजा ले रही है?
वह मुस्कराई और बताया कि वह वास्तव में अब आनंद ले रही है।

इस तरह हम कुछ समय तक अपने पहले सेक्स का आनंद लेते रहे।

तब मैंने कुछ अधिक भारी धक्का दिया और अपना सारा भार उसके अंदर डाल दिया।
हमारे पहले सेक्स का आनंद स्वल्पन पर खत्म हो गया।

मैं हांफ रहा था और सरिता भी पसीने से लथपथ हो गई थी।

उसके बाद हमने हर जगह बहुत सारा खून देखा। बिस्तर खून से भरा था।

सरिता की चूत से खून निकल रहा था।

उसका कौमार्य टूट गया था।

मेरे लंड की बाहरी त्वचा फट गई थी और बहुत खून आ रहा था।

मेरे लंड का टोपा पूरी तरह से खुल गया था।

यह थी हमारी सुहागरात Xxx ... फिर हमें नंगे ही नींद आ गई।

हम एक साथ सोए थे।

जब हम सोकर उठे तो प्राइवेट पार्ट में दर्द महसूस हो रहा था और पेशाब के दौरान मुझे काफी दर्द महसूस हुआ।

मैं कमरे से बाहर चला गया।

अगली रात को फिर हम मिले।

मेरी नवविवाहिता पत्नी ने बताया कि कई महिलाओं ने कल रात की कहानी पूछी। उसने कोई जवाब नहीं दिया तो महिलाएं कहने लगीं कि उन्होंने रात की सारी आवाजें सुनी हैं। देवर जी ने काफी दुख दिया है। पहले से ही लग रहा था कि बहुत चोट देगा, लेकिन चिंता मत करो, कुछ दिन में सब कुछ सही हो जाएगा।

फिर मुझसे सरिता ने कहा कि उसकी चूत में बहुत सूजन है और दर्द महसूस हो रहा है। मैंने उससे कहा कि मेरा लंड भी सूज गया है लेकिन हमें दर्द से तेजी से रिकवरी के लिए चोदना जारी रखना चाहिए।

तो उस रात हमने दो बार चुदाई की।
धीरे-धीरे हमारे प्राइवेट पार्ट्स का दर्द कम होता गया।

अब मेरी सरिता मेरे लंड को चूसती भी थी।
लंड उसने भले ही खूब चूसना शुरू कर दिया था लेकिन अभी तक वीर्य का स्वाद नहीं लिया था।
मैंने उससे कई बार अनुरोध किया लेकिन वो कभी सहमत नहीं हुई।

एक बार मुझे एक विचार आया।
चुदाई से पहले हम लगभग रोज एक दूसरे को चूसते थे।
एक बार मैं उसके ऊपर आ गया और उसकी चूत को चूसने लगा और इसी तरह वो मेरे लंड को चूसने लगी।
हम दोनों बहुत जोर से चूस रहे थे।

जब सरिता ने मेरी गर्दन पकड़ कर मुझे और जोर से चूसने के लिए कहा, उसी समय मैंने अपना पूरा लंड उसके गले के अंदर गहरे तक धकेल दिया।

जब मैं उसकी चूत को जोरदार तरीके से चूस रहा था तो मैंने अपने वीर्य का पूरा भार उसके गले में डाल दिया।

चूसने का काम खत्म करने के बाद, उसने अपने मुँह में नमकीन स्वाद की शिकायत की और मुझसे पूछा कि क्या मैंने अपना पूरा माल उसके मुँह में छोड़ दिया ?
मैं हँस पड़ा.

तो उसने कहा- तुमने मुझे धोखा दिया लेकिन मुझे यह पसंद आया।
फिर वो बोली- अगर तुम आगे कभी मुझे अपने लंड का पानी पिलाना चाहते हो तो ऐसे

धोखा देने की जरूरत नहीं है, मैं इस बड़े लंड के पानी को निगलने के लिए तैयार रहूंगी।
स्वाद नमकीन है जो मुझे पसंद है।

अब मैं अपनी बीवी की गांड चोदने के लिए सोचता था।

शादी के दो महीने के बाद मैंने उसको गांड चुदाई के लिए आग्रह किया।
लेकिन उसने यह कहकर मना कर दिया कि वह इसे बर्दाश्त नहीं कर सकती।

मैंने फिर भी हार नहीं मानी और उसकी गांड चोदने की कोशिश को जारी रखा।
मैं किसी तरह उसको मनाकर लंड डालने की कोशिश करता तो वो रोने लगती थी।
कुछ दिनों बाद उसको गांड के छेद में लंड लगवाने में मजा आने लगा।

वो अब खुद ही गांड के छेद को लंड से खुजलाने के लिए कहती थी।
मैं उससे लंड का टोपा डालने के बदले यह सौदा करता था।

कई महीने मैंने असफलता में ही निकाल दिए और बीवी की गांड चुदाई नहीं कर पाया।

एक बार सरिता की माँ हमारे साथ रहने आई।
उस समय हमारे पास दो अलग-अलग बेड के साथ रहने के लिए केवल एक कमरा था।

मैंने सोचा कि अगर मैं कोशिश करू तो यह समय मेरी इच्छा पूरी होने के लिए फलदायी
हो सकता है।

फिर एक रोज मैंने सरिता को सोने के आभूषण का कीमती उपहार दिया।
उसने मुझसे कहा कि तुम बहुत अच्छे पति हो।
तब मैं मुस्कराया और उससे आग्रह किया कि वह मेरी लंबे समय से अधूरी इच्छा को पूरा
करे।

वो मुस्कराई और प्यार से कहने लगी कि वो मेरी इच्छा पूरी करना चाहती है लेकिन हथियार इतना मोटा है कि वो ले नहीं पाती है।
मैंने उसके इस प्रयास के लिए उसको धन्यवाद कहा।

लेकिन लंड को तो गांड का छेद चाहिए था, प्रयास नहीं।
फिर किसी तरह बात यहां तक पहुंची कि उसने बहुत ही धीरे से डलवाने के हामी भर दी।

चूंकि कमरे में उसकी मां भी रहेगी तो सावधानी में कमी की गुंजाइश ही नहीं थी।
मैंने सरिता को चोट न पहुँचाने का आश्वासन दिया।

उस रात जब मेरी सास सो गई तो मैंने उसे उपहार की याद दिलाई।

सरिता मान गई और मुझे धीरे से गांड चोदने की सहमति दे दी।
मैंने अपने लंड और उसकी गांड पर चिकनाई लगाई।

मैं उसकी पीठ पर बैठ गया और उसे गाण्ड के छेद को ढीला करने को कहा।

जब मैंने अपना लंड महज़ 2 इंच तक घुसाया तो उसने मुझे रुकने को कहा।
मैं कुछ समय के लिए रुक गया।

फिर मैंने उसे अपना वादा याद दिलाया कि उसे मेरे लंड को उसकी गांड में पूरी तरह से जाने से रोकना नहीं चाहिए।
फिर उसने अपना हाथ मेरे लंड से हटा दिया।

उसने अपनी गाण्ड का छेद ढीला कर दिया और मुझे थोड़ा और अंदर डालने को कहा।
तब मैंने सरिता की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह एक शानदार और बहादुर महिला है।
मैंने उसे हमारी पहली चुदाई की याद दिला दी।

फिर मैंने उसकी दोनों बाँहों को कस कर पकड़ लिया और जैसे ही मैंने एक जोरदार धक्का दिया, सरिता की चीख निकल गई।

बस इतने में ही मैं नीचे उतर गया क्योंकि पास में मेरी सास भी सो रही थी जो सरिता की चीख से जाग गई थी।

उठकर वो पूछने लगी कि आवाज कैसी थी।

किसी तरह सरिता ने बहाना बना दिया कि सपने में कुछ बुरा देखा जिससे नींद में चीख निकल गई।

यह सुनकर सास वापस से सोने लगी।

उसके बाद हमने दोबारा उस रात में गांड चुदाई के लिए प्रयास नहीं किया।

मेरी सास लगभग दो महीने तक हमारे घर में ही रही।

इस दौरान हमें चुदाई करने का बहुत कम मौका मिलता था।

अब सरिता बार बार मेरे लंड को पकड़ कर सहलाने की कोशिश किया करती थी लेकिन उसकी चूत को लंड नसीब नहीं हो रहा था।

हाल मेरा भी ऐसा ही था। मुझे भी चूत चोदने की प्यास लगी थी।

इस दौरान बीच में एक दो बार हमने चुदाई करने की सोची भी लेकिन चूत में लंड डालकर लेटने के अलावा कुछ खास नहीं किया जा सकता था।

जहां हम पहले पूरे नंगे होकर एक दूसरे से लिपटकर जोशीला सेक्स करते थे, वह सास के रहते अब संभव नहीं हो पा रहा था।

फिर मुझे विदेश जाना पड़ा। वहां से लौटा तो मैं सीधा घर न आकर होटल में रुक गया।

मैंने बीवी को भी होटल में ही बुला लिया। मैं बहुत दिनों से चुदाई के लिए तड़प रहा था और सरिता भी इसी दौर से गुजर रही थी। वो भी आने के लिए झट से मान गई।

आपको सुहागरात Xxx कहानी कैसी लग रही है? अपनी प्रतिक्रियाओं के जरिए जरूर बताएँ।

कहानी के नीचे दिए कमेंट बॉक्स में अपने कमेंट्स लिखें या फिर आप ईमेल पर भी मैसेज कर सकते हैं जो नीचे दिया गया है।

enjoyforfun001@gmail.com

सुहागरात Xxx कहानी का अगला भाग : बीवी के सारे छेदों की चुदाई का मजा- 2

Other stories you may be interested in

अचानक मिली लड़की की सहेली को भी पेला- 5

एनल फक का मजा मैंने पहली बार दिया अपनी गर्लफ्रेंड की शादीशुदा सहेली को ! उसने पहले कभी गांड नहीं मरवाई थी तो उसे दर्द हुआ पर बाद में उसने इसका मजा लिया. दोस्तो, मैं हर्षद आपको अपनी दोस्त नीता की [...]

[Full Story >>>](#)

अचानक मिली लड़की की सहेली को भी पेला- 4

हॉट लड़कियों की चुदाई स्टोरी में पढ़ें कि पहले मैंने अपनी गर्लफ्रेंड को चोद कर मजा दिया. फिर उसने मुझे अपनी सहेली के पास जाकर उसे चुदाई का सुख देने को कहा. अन्तर्वासना के सभी दोस्तों को हर्षद का प्यार [...]

[Full Story >>>](#)

फिजिक्स की मैम की चूत चुदाई का मजा

टीचर स्टूडेंट Xxx स्टोरी मेरी फिजिक्स की टीचर की चूत चुदाई की है. उनकी नई नई शादी हुई थी. मैं उनका चहेता छात्र था. उनके साथ सेक्स करने का मौका मुझे कैसे मिला ? नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम आशीष है और [...]

[Full Story >>>](#)

सविता भाभी ने चुना निजी सचिव

सविता को अनगिनत चुदाइयों और मुखमैथुन के बाद आखिरकार पदोन्नति मिल ही गई क्योंकि उसने इस पदोन्नति के लिए कड़ी मेहनत जो की थी। अपने नए पद पर सबसे पहला काम उसे अपने लिए एक निजी सहायक चुनना था उन [...]

[Full Story >>>](#)

मेरे बाँस ने मेरी बीवी को पटाकर चोदा- 2

माय वाइफ एंड बाँस सेक्स कहानी में पढ़ें कि मेरे छोटे लंड के कारण मैं अपनी बीवी को मजा नहीं दे पाया. मगर मैंने मेरी बीवी के जिस्म पर काटने चूसने के निशाँ देखे तो ... दोस्तो, मैं सुधीर, कोमल [...]

[Full Story >>>](#)

